शनिवार
4 अप्रैल, 2026

# अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 60 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

जानकी शिशु महाविहार
शिशु स्तर से पंचम स्तर तक
विशेषताएँ :-
• सी. सी. टी. वी. कैमरा की व्यवस्था
• स्मार्ट क्लास
• सभी रूट पर वाहन की व्यवस्था
• कंप्यूटर क्लास

## नालंदा छेड़खानी कांड: सांसद पप्पू यादव ने पीड़िता के घर पहुंचकर जताई संवेदना

**स्पीडी ट्रायल की मांग, पीड़ित परिवार को 50 हजार की सहायता; समाजसेवी राजू दानवीर ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की उठाई मांग**

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र के ढीबरापर गांव में महिला के साथ हुई छेड़खानी की घटना को लेकर पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने गहरी चिंता व्यक्त की है। गुरुवार को सांसद पप्पू यादव पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं केवल नालंदा ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार की छवि को धूमिल करती हैं और समाज में बढ़ती आपराधिक मानसिकता को उजागर करती हैं।

सांसद ने पीड़िता और उसके परिजनों से बातचीत कर उनका हाल जाना तथा उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने पीड़ित परिवार को तत्काल 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि पीड़ित परिवार गांव में सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सके, इसके लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में भी हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

सांसद पप्पू यादव ने प्रशासन से मांग की कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ स्पीडी ट्रायल चलाकर कड़ी से कड़ी सजा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ बदसलूकी करने वाले अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे अपनी घिनौनी हरकतों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने से भी नहीं डरते। यह स्थिति कानून-व्यवस्था के साथ-साथ समाज की संवेदनशीलता पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

उन्होंने कहा कि समाज में एक दुखद प्रवृत्ति यह भी है कि ऐसी घटनाओं में अपराधियों से ज्यादा सवाल पीड़िता के चरित्र पर उठाए जाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर महिलाओं को बदनाम करने का यह अधिकार समाज को किसने दिया है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई महिला स्कूल, कॉलेज, कोचिंग या कार्यस्थल के लिए घर से निकलती है तो उस पर संदेह की

नजरें उठाई जाती हैं, जो समाज की सोच में गहरी समस्या को दर्शाता है।

सांसद ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि स्मैक, नशीले पदार्थ और अन्य ड्रग्स का बढ़ता प्रचलन युवाओं को अपराध की ओर धकेल रहा है। इसका सबसे अधिक खामियाजा महिलाओं और कमजोर वर्गों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने समाज से अपील की कि सभी लोग अपनी जिम्मेदारी समझें और महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

इस मौके पर सांसद के साथ पहुंचे समाजसेवी राजू दानवीर ने भी घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को किसी भी परिस्थिति में नहीं फंसाया जाना चाहिए, लेकिन दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उन्हें कड़ी सजा दी जाए, ताकि समाज में सख्त संदेश जाए और भविष्य में कोई ऐसी घटना करने की हिम्मत न कर सके।

उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था का उद्देश्य पीड़ित को सम्मान और सुरक्षा दिलाना है, इसलिए प्रशासन को निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में विश्वास कायम रहे।

## 6 अप्रैल से नियमित चलेगी राजगीर-पटना एक्सप्रेस, सांसद कौशलेंद्र कुमार दिखाएंगे हरी झंडी

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर से पटना आने-जाने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। अब राजगीर-पटना-राजगीर एक्सप्रेस ट्रेन नियमित रूप से चलेगी। इस ट्रेन को 6 अप्रैल दिन सोमवार को नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार राजगीर स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार द्वारा जारी पत्र में इसकी जानकारी दी गई है। इसके अनुसार 6 अप्रैल को अपराह्न 3:10 बजे राजगीर स्टेशन से राजगीर-पटना-राजगीर एक्सप्रेस ट्रेन को सांसद कौशलेंद्र कुमार हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

इस ट्रेन के नियमित परिचालन से पटना आने-जाने वाले नौकरीपेशा लोगों, व्यवसायियों, पर्यटकों तथा अन्य यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी। खासकर शाम के समय पटना जाने वाले यात्रियों के लिए यह ट्रेन काफी लाभकारी साबित होगी।

सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि जनता की सेवा करना ही उनका सच्चा कर्म और धर्म है। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र की जनता की समस्याओं को लगातार लोकसभा में उठाते रहे हैं और आगे भी उठाते रहेंगे। उन्होंने बताया कि

राजगीर से और अधिक ट्रेनों के परिचालन को लेकर भी वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने कई बार रेल मंत्री से मिलकर नालंदा जिले की रेल संबंधी समस्याओं से अवगत कराया है।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में नालंदा जिले को रेल सुविधाओं के क्षेत्र में और भी लाभ मिलने की उम्मीद है

## थरथरी क्षेत्र के चार गांवों में गेहूं की फसल में आग, दमकल की तत्परता से बड़ा नुकसान टला

थरथरी (अपना नालंदा)। थाना क्षेत्र के अलग-अलग चार गांवों में गेहूं की खड़ी फसल में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही थरथरी फायर ब्रिगेड के साथ-साथ परवलपुर और चंडी से भी अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

बताया जाता है कि अतवलचक, नरारी और वेरमा गांव में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण गेहूं के खेत में आग लग गई। इस आगलगी की घटना में मनोज कुमार, अवधेश प्रसाद, रामसुंदर कुमार और विनय कुमार की लगभग तीन एकड़ में लगी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।वहीं लखाचक गांव में किसी शरारती तत्व द्वारा सिगरेट पीकर खड़ी गेहूं की फसल में फेंक देने से आग लग गई। इस घटना में सिकंदर, शैलेंद्र प्रसाद और अवधेश प्रसाद की करीब एक एकड़ फसल जलकर नष्ट हो गई।

आग लगने के बाद आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही थरथरी, परवलपुर और चंडी से पहुंचे दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों और थरथरी पुलिस के सहयोग से आग पर काबू पा लिया। तेज हवा के कारण आग के और फैलने की आशंका बनी हुई थी, लेकिन समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से बड़ी क्षति होने से बचाव हो गया।

इस संबंध में थानाध्यक्ष साजिद अख्तर ने बताया कि अग्निशमन कर्मियों की त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति नियंत्रण में रही, अन्यथा आग विकराल रूप ले सकती थी और किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता।

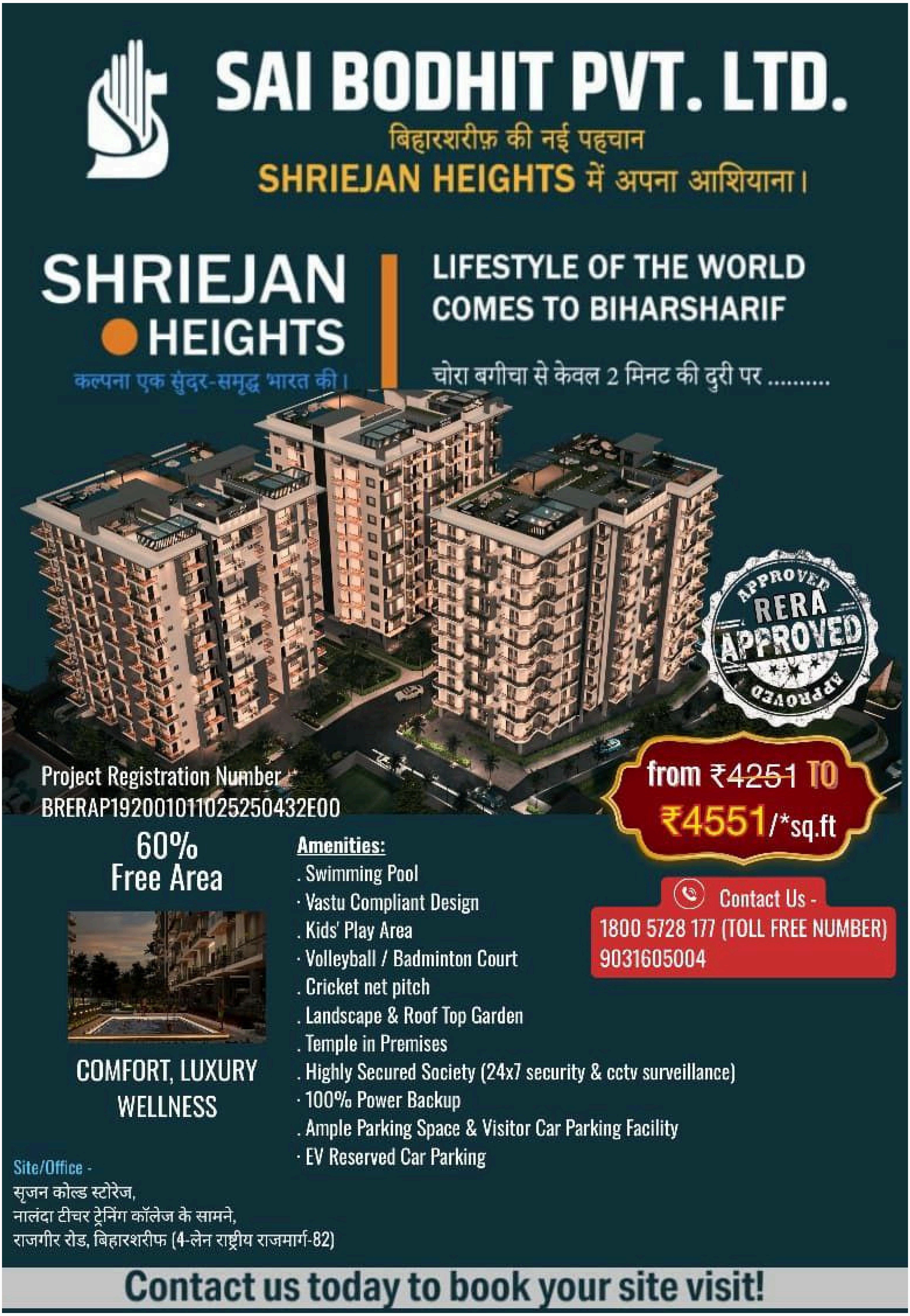

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN
HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD
COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ..........
APPROVED
RERA
APPROVED
APPROVED
Project Registration Number
BRERAP192001011025250432E00
from ₹4251 TO
₹4551/*sq.ft
60%
Free Area
COMFORT, LUXURY
WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

# हिलसा में सूखा नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान, डा. मानव ने युवाओं को दिलाया नशामुक्ति का संकल्प

हिलसा (अपना नालंदा)।हिलसा छात्रावास मैदान में समाजसेवी सह गुटखा छोड़ो आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आशुतोष कुमार मानव के नेतृत्व में सूखा नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र और युवाओं ने भाग लिया। डा. मानव ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए नशा न करने का संकल्प दिलाया।

उन्होंने कहा कि आज के समय में सूखा नशा तेजी से युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। बड़ी संख्या में नौजवान इस दलदल में फंसकर बेमौत मर रहे हैं। यदि समय रहते समाज और परिवार के लोग नहीं चेते, तो आने वाले समय में युवा शक्ति गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है, जो समाज के लिए चिंता का विषय है।

डा. मानव ने बताया कि अधिकांश बच्चे पहले देखा-देखी या जिज्ञासा के कारण नशीले पदार्थों का सेवन शुरू करते हैं, जो धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है। खासकर बीएस, ड्रग्स और इंजेक्शन जैसे घातक नशों की चपेट में आकर हजारों लोग असमय मौत का शिकार हो चुके हैं।

उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और उन्हें सही मार्गदर्शन दें।

साथ ही युवाओं से कहा कि वे नशे से दूर रहकर अपने भविष्य और समाज के निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाएं।

अंत में डा. मानव ने कहा कि नशा नाश की जननी है, जो व्यक्ति के साथ-साथ परिवार और पूरे समाज को भी खोखला कर देता है। इसलिए सभी को मिलकर नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प लेना होगा।

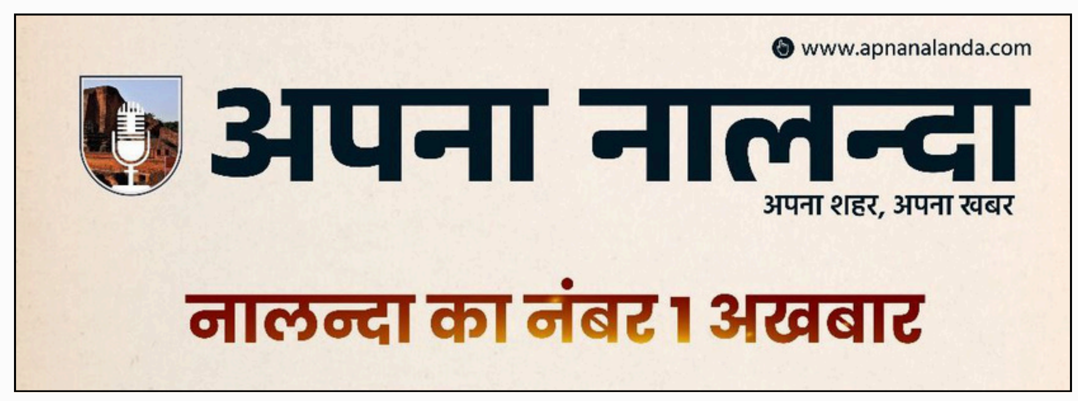


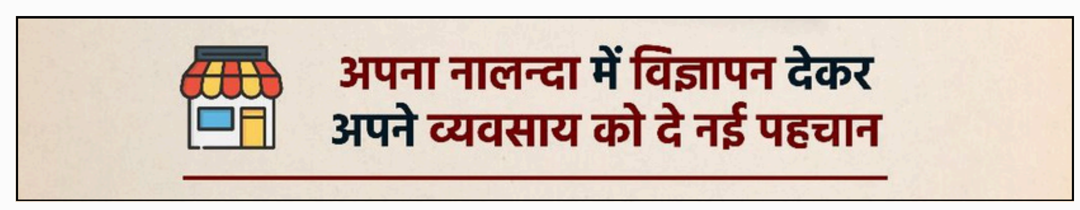

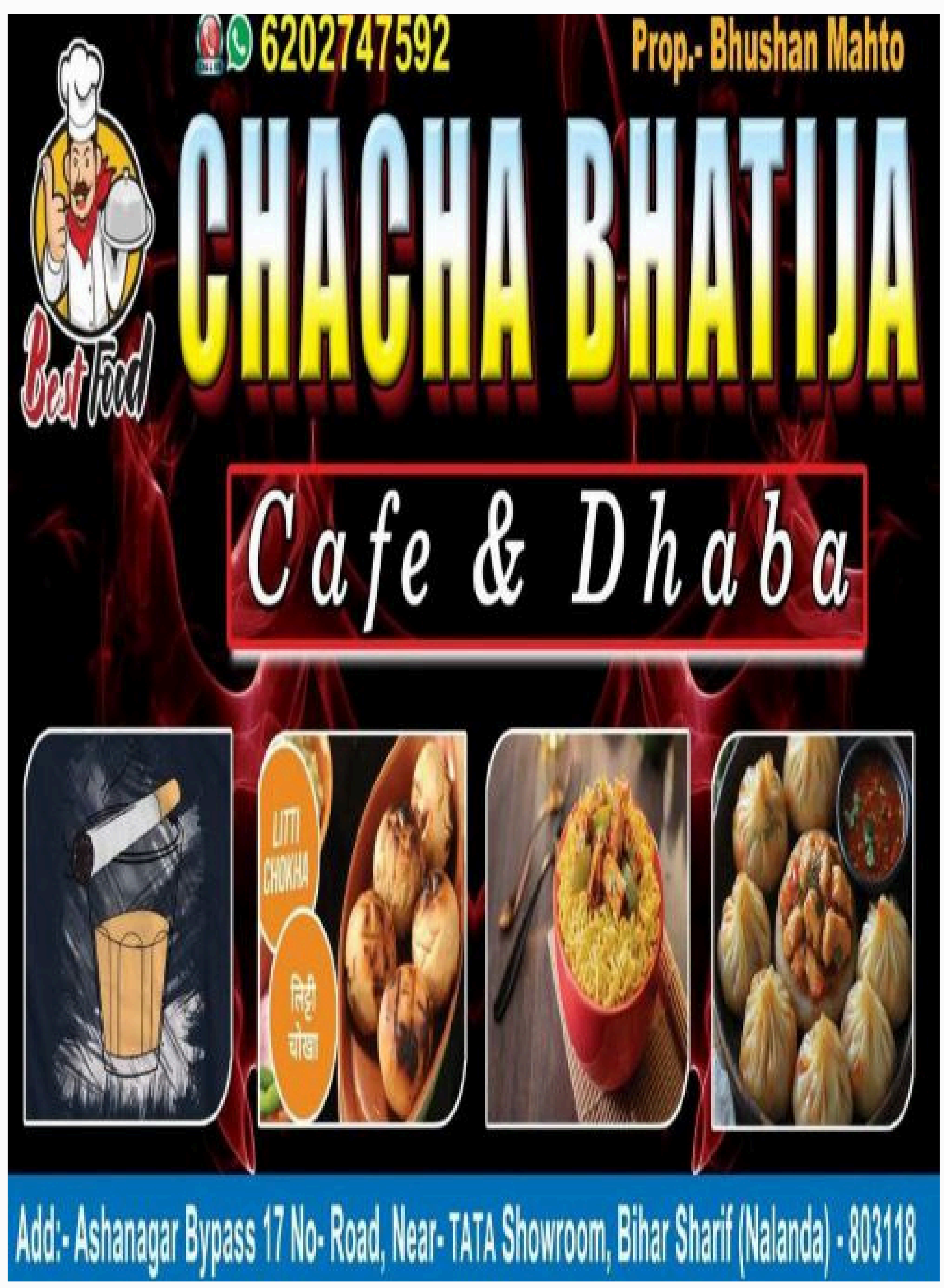

Kalope HOMES

All-in-One Home Solution

# Luxury Interior with RealPlast UPVC

Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance

Material Partner: REAL PLAST

RealPlast UPVC is a next-generation interior material that combines strength, safety, and luxury design.

## Modular Kitchen

✓ Cabinets, shutters, drawers

## TV Unit & Wall Panels

✓ Modern design, storage

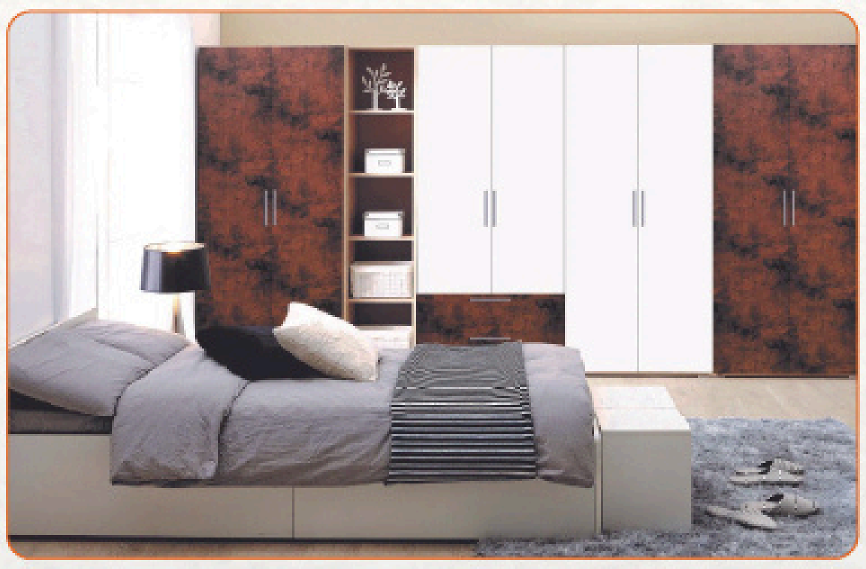

## Wardrobes & Closets

✓ Sliding, swing, loft, drawers

## Bathroom Vanities

✓ Waterproof & hygienic

+91 74887 06578 www.kalopehomes.com Patna, Bihar

# रन्नु विगहा में 24 घंटे का अखंड कीर्तन संपन्न, नगर भ्रमण के साथ हुआ भंडारे का आयोजन

सुधीर प्रसाद

बेन (अपना नालंदा)। प्रखंड के बेन पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 1 स्थित रन्नु विगहा गांव में 24 घंटे का अखंड कीर्तन धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया।अखंड कीर्तन के समापन के बाद भक्तगणों ने ठाकुर जी की प्रतिमा के साथ भव्य नगर भ्रमण निकाला। नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालु ढोल-नगाड़े और भक्ति-भजनों के साथ नाचते-गाते पूरे गांव का परिक्रमा करते रहे। भक्तों की टोली “हरि नाम संकीर्तन” का जयघोष करते हुए गांव की गलियों से गुजरी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।नगर भ्रमण संपन्न होने के बाद मंदिर परिसर में ठाकुर जी की विधिवत आरती की गई। आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने भगवान से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच मंगल प्रसाद का वितरण किया गया।आयोजन के अंत में सामूहिक भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों के साथ-साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से गांव में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोग एक-दूसरे के साथ मिलकर धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाते हैं। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों और युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# हिलसा में निजी विद्यालय संघ की बैठक, टीसी के आधार पर नामांकन का लिया गया निर्णय

हिलसा (अपना नालंदा)। हिलसा शहर के पटेल नगर स्थित आदर्श सर्वोदय विद्यालय परिसर में निजी विद्यालय संघ हिलसा की आमसभा आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा ने की, जबकि संचालन सचिव अश्वनी कुमार ने किया।

बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा निजी विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों का नामांकन केवल ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) के आधार पर ही किया जाएगा, ताकि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखा जा सके।

इसके अलावा सत्र 2026-27 के लिए शैक्षणिक कैलेंडर भी जारी किया गया, जिसमें विद्यालयों में होने वाली शैक्षणिक गतिविधियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई है। बैठक में सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन, निजी विद्यालयों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के उपायों पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर संघ के मीडिया प्रवक्ता संतोष कुमार पार्थ, शंभू शरण सिंह, डॉ. उपेंद्र सिंह, चंद्रभूषण कुमार आर्य, संजय कुमार वर्मा, विजेंद्र शर्मा, महेश प्रसाद सिंह, संजय कुमार प्रभाकर, पवन कुमार, रवि शंकर कुमार, विनय कुमार, राजेश कुमार, आर्यन राज, अभय प्रताप, राहुल कुमार, जितेंद्र कुमार, मृत्युंजय कुमार, नवल कुमार, गौतम पांडे, संतोष तिवारी सहित कई विद्यालय संचालक उपस्थित रहे।बैठक में सभी सदस्यों ने संगठन की एकजुटता बनाए रखते हुए शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

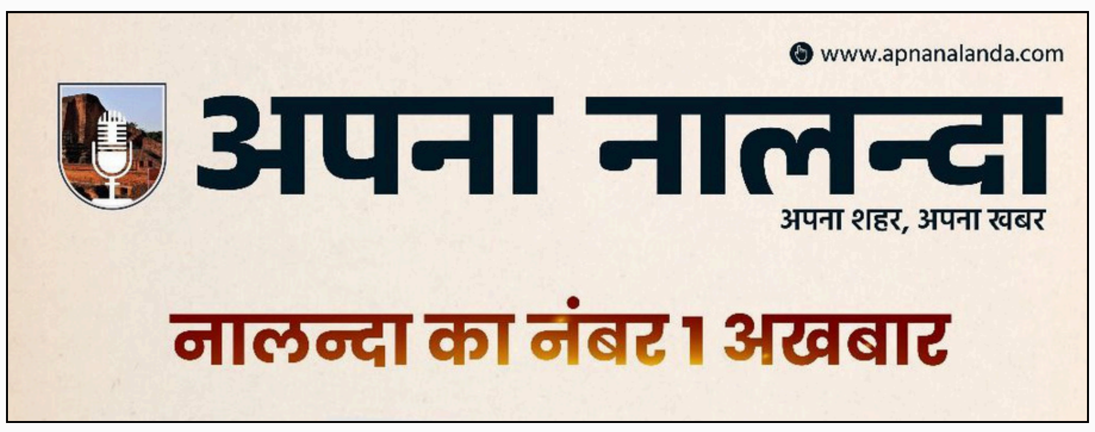


# बिहार ललित कला अकादमी में मिथिला कलाकार मृणाल सिंह की कृतियों ने बिखेरा आकर्षण

पटना (अपना नालंदा)। बिहार ललित कला अकादमी, पटना में 3 अप्रैल से आयोजित तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी "बिहार की लोक कलाएं" में मिथिला के कलाकार मृणाल सिंह की कृतियों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रदर्शनी में मधुबनी जिले के मूल निवासी कलाकार मृणाल सिंह की "महाकाली" और "बटुक भैरव" विषय पर आधारित चित्रकलाओं की विशेष प्रस्तुति की गई।

कलाजगत में मृणाल सिंह अपनी विशिष्ट मिथिला कचनी शैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी कला में सूक्ष्म रेखाओं और एकल रंग के प्रयोग की खास पहचान है, जो उन्हें अन्य मिथिला कलाकारों से अलग बनाती है। अपनी इस अनूठी शैली के माध्यम से उन्होंने पंथ उपासना पद्धति में महाकाली और भैरव की आराधना की महत्ता को चित्रों में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। कलाकार की कृतियों में पारंपरिक मिथिला कला की गहराई और आध्यात्मिक भाव स्पष्ट रूप से झलकते हैं। उनकी सूक्ष्म रेखांकन शैली और विषय चयन ने प्रदर्शनी में आने वाले कला प्रेमियों और दर्शकों को खासा प्रभावित किया।

प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित अतिथियों में पद्मश्री सम्मानित कलाकार श्याम शर्मा तथा कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना की प्रधानाध्यापिका डॉ. राखी कुमारी शामिल थीं। दोनों अतिथियों ने मृणाल सिंह की कचनी शैली की सराहना करते हुए इसे मिथिला चित्रकला की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

इस प्रदर्शनी के माध्यम से बिहार की लोक कलाओं और मिथिला चित्रकला की समृद्ध परंपरा को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।

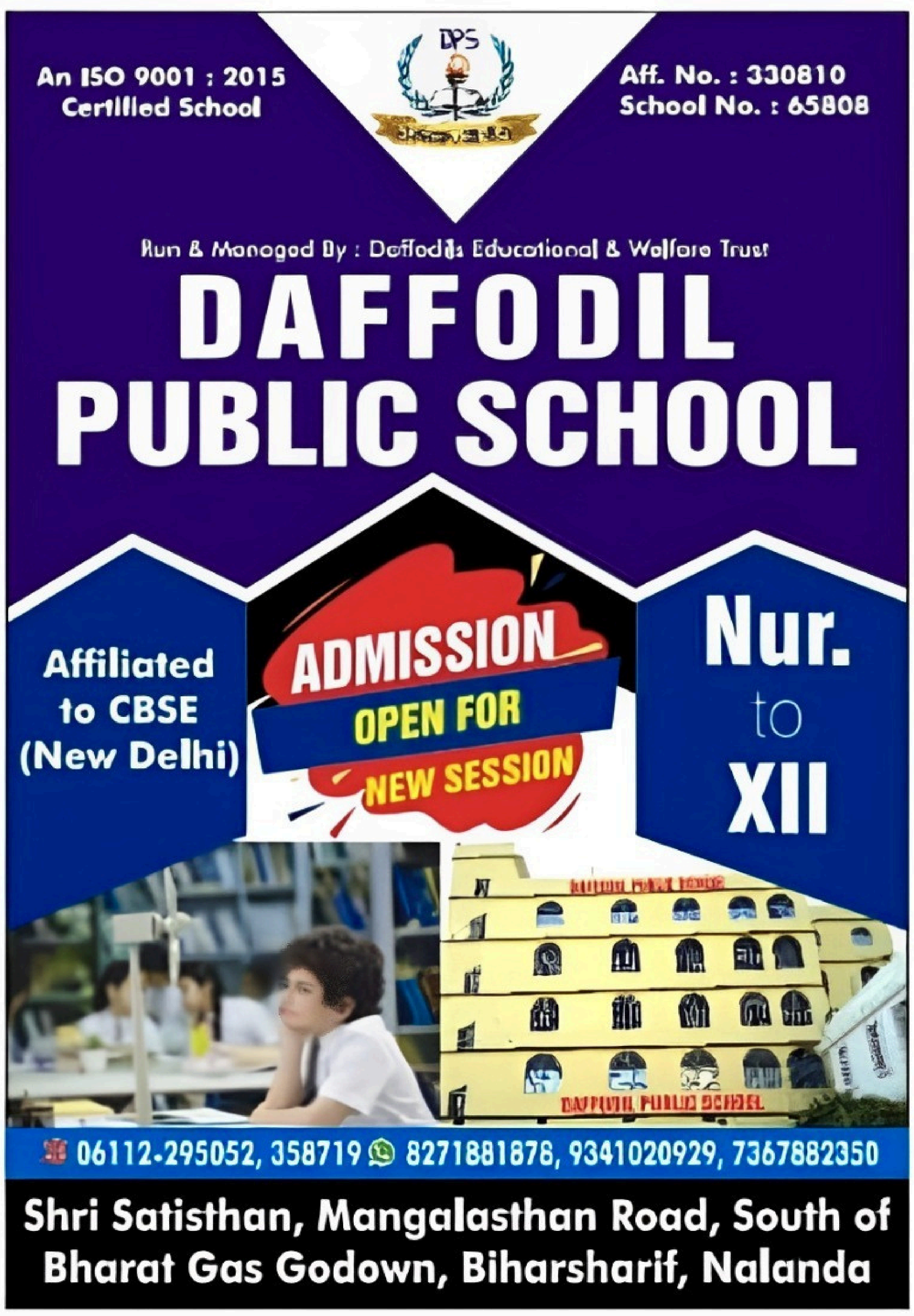

# कहां गई महिला सम्मान, चुप क्यों हो नीतीश कुमार:-सरोज चौबे,ऐपवा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नूरसराय थाना क्षेत्र के अजयपुर गांव में 26 मार्च 2026 को महिला के साथ हुई बदसलूकी की घटना को लेकर भाकपा माले की महिला संगठन अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन (ऐपवा) के नेतृत्व में एक प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधिमंडल गांव पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऐपवा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कॉमरेड सरोज चौबे कर रही थीं।

प्रतिनिधिमंडल ने पीड़िता के परिजनों और गांव की महिलाओं से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली तथा न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इस दौरान सरोज चौबे ने कहा कि इस घटना ने न केवल नालंदा बल्कि पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में महिला सुरक्षा की गारंटी की बात की जाती है, लेकिन मुख्यमंत्री के गृह जिले में ही ऐसी घटना होना गंभीर चिंता का विषय है।गांव की महिलाओं से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, जबकि किसी भी निर्दोष को इस मामले में नहीं फंसाया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस मामले में सभी दोषियों पर स्पीडी ट्रायल चलाकर जल्द सजा दिलाई जाए और पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

प्रतिनिधिमंडल में रामपरी (एडवा), कृष्णा जी, रिंकु जी (महिला समाज संगठन), अख्तरी जी, रत्ना जी (दलित महिला विकास संगठन), मकसूदन शर्मा (प्रभारी भाकपा माले नूरसराय), बिरेश कुमार (प्रभारी भाकपा माले हरनौत), रेणु देवी (जिला कमेटी सदस्य, भाकपा माले नालंदा), गिरजा देवी (जिला अध्यक्ष ऐपवा नालंदा), रामदास अकेला (प्रभारी भाकपा माले चंडी-नगरनौसा), मुन्नी लाल यादव (प्रभारी भाकपा माले थरथरी) तथा ओम प्रकाश सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद

# थरथरी में मारपीट, चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, दो घायल

थरथरी (अपना नालंदा)। स्थानीय थाना क्षेत्र के झूलन बिगहा गांव में पारिवारिक विवाद को लेकर हुई मारपीट में दो लोग घायल हो गए। इस मामले में चार लोगों के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

पीड़ित रामानंद यादव ने बताया कि वह अपने घर पर बैठे थे, तभी उनके चाचा भुनेश्वर यादव समेत अन्य लोग वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इस घटना में दो लोग घायल हो गए।

थानाध्यक्ष साजिद अख्तर ने बताया कि मामले में चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

## संपादकीय

**जे पी चौधरी**

# नेपाल में 239 साल पुरानी राजशाही व्यवस्था 2008 में खत्म हुई थी

नेपाल में 239 साल पुरानी राजशाही व्यवस्था 2008 में खत्म हुई थी। तब से अब तक नेपाल में किसी भी पार्टी ने अपने दम पर सरकार नहीं बनाई। इस बार 'राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी' बालेन शाह के नेतृत्व में अपने दम पर बहुमत में आई है। 5 मार्च को हुए चुनाव में 'राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी' ने 275 में से 182 सीटों पर जीत हासिल की है। 35 साल के बालेन शाह का जन्म काठमांडू के गैर गाऊन में 1990 में हुआ था। बालेन के पिता राम नारायण शाह आयुर्वेद के डॉक्टर हैं और इनकी मां का नाम ध्रुवदेवी शाह है। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और कई साल से नेपाल के हिप-हॉप संगीत जगत 'नेफहॉप' से जुड़े रहे हैं। बालेन शाह मई, 2022 में पहली बार नेपाल की राजधानी काठमांडू के मेयर बने थे। पिछले साल सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शनों के दौरान युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई। इन प्रदर्शनों में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और आ्रथक ठहराव को लेकर भी गुस्सा था। इसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को पद छोड़ना पड़ा।

नेपाल में जब बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने चुनावी जीत हासिल की तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बालेन शाह को टैलीफोन पर बधाई दी थी और अब शुक्रवार को जब बालेन शाह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा कि " बालेन शाह को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। उनकी नियुक्ति नेपाल की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में जताए गए विश्वास को दर्शाती है। मैं दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ और भारत-नेपाल मित्रता और सहयोग को और भी नई ऊंचाइयों पर लेजाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।" बालेन शाह ने जून, 2023 में 'काठमांडू' के मेयर रहते हुए हिन्दी फिल्म 'आदि पुरुष' पर पाबंदी लगा दी थी। बालेन को इस बात पर आपत्ति थी कि फिल्म में हिन्दू देवी सीता को भारत से संबंधित बताया गया था। इसके अलावा 2020 में नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली द्वारा उत्तराखंड के कई हिस्सों को नेपाल का हिस्सा बताने वाले नक्शे को उन्होंने अपने कार्यालय में लगा दिया था।

इसी प्रकार नेपाल में झापा के दमक में बनने वाले नेपाल-चीन फ्रैंडशिप इंडस्ट्रियल पार्क को बालेन शाह ने अपने घोषणापत्र से हटा दिया था। यह परियोजना नेपाल-भारत सीमा के पास स्थित संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानी 'चिकन नैक' के नजदीक है, जो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एक संकरी पट्टी है। भारत इस प्रोजैक्ट को लेकर खुश नहीं था और इसे लेकर भारत की कई चिंताएं जगजाहिर हैं। महज तीन साल पहले बनी आर.एस.पी. और बालेन शाह नेपाल की बाकी पार्टियों और नेताओं की तुलना में बिल्कुल नए हैं। भारत के पास नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियों और नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ काम करने का अनुभव है लेकिन आर.एस.पी. के साथ काम करना भारत के लिए भी नया अनुभव होगा। लिहाजा अब भारतीय विदेश मंत्रालय के अफसरों को भी इस मामले में नेपाल के साथ रिश्तों को लेकर कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी।

# हिलसा कोर्ट परिसर स्थित शिव मंदिर में 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन, भक्तिमय हुआ माहौल

हिलसा (अपना नालंदा)। हिलसा शहर के कोर्ट परिसर स्थित शिव मंदिर में 24 घंटे के अखंड हरि कीर्तन का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। यह कीर्तन शुक्रवार को विधि-विधान के साथ प्रारंभ हुआ, जिसका समापन शनिवार को पूर्णाहुति के साथ किया जाएगा।

अखंड हरि कीर्तन के दौरान 'हरे राम, हरे कृष्णा' के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में डूब गया। कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के नाम का संकीर्तन किया और आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक अजय कुमार ने बताया कि गुरुवार को महावीर जयंती के शुभ अवसर पर शिव मंदिर परिसर में स्थापित पुरानी बजरंगबली की प्रतिमा का विधिवत विसर्जन कर नई प्रतिमा की स्थापना की गई थी। उसी के उपलक्ष्य में शुक्रवार को अखंड हरि कीर्तन का आयोजन किया गया है।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से लोगों में आस्था और विश्वास बढ़ता है। साथ ही समाज में आपसी समरसता, भाईचारा और शांति का वातावरण भी मजबूत होता है। धार्मिक कार्यक्रम लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और आध्यात्मिक चेतना को जागृत करते हैं।

इस अवसर पर महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ कीर्तन में शामिल हुईं। शनिवार को अखंड कीर्तन के समापन के बाद पूर्णाहुति की जाएगी, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में उमेश सिंह, रवि कुमार, संजय पांडेय, बबलू कुमार, पिंटू कुमार, इंद्रजीत कुमार, कृष्णबल्लभ प्रसाद, प्रमोद कुमार सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# बिहार में बढ़ता अपराध और नेताओं की चुप्पी: आखिर कब जागेगी राजनीति?

**अजीत कुमार ऊर्फ कक्कू सिंह**

बिहार में पिछले कुछ समय से अपराध की घटनाओं में जिस प्रकार वृद्धि हुई है, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाली घटनाएं, वह समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। आए दिन राज्य के अलग-अलग जिलों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जो न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं बल्कि राजनीतिक नेतृत्व की संवेदनशीलता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती हैं।

राज्य में वर्तमान समय में कुल 40 सांसद और 243 विधायक हैं, जिनका दायित्व है कि वे जनता की आवाज को सदन तक पहुंचाएं और समाज में होने वाली घटनाओं पर खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दें। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि कई गंभीर घटनाओं के बावजूद अधिकांश जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई स्पष्ट बयान या पहल सामने नहीं आती। अपवाद के रूप में कुछ नेता जरूर अपनी बात रखते हैं, लेकिन व्यापक स्तर पर राजनीतिक नेतृत्व की चुप्पी जनता को निराश करती है।

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की भूमिका केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं होती। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे समाज की समस्याओं पर मुखर होकर बोलें और सरकार को उचित कदम उठाने के लिए प्रेरित करें। जब जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनकर विधानसभा और संसद तक भेजती है, तो वह इस उम्मीद के साथ भेजती है कि वे हर कठिन समय में जनता के साथ खड़े रहेंगे। लेकिन यदि किसी बड़ी घटना के बाद भी नेताओं की ओर से कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं आती, तो जनता के मन में असंतोष स्वाभाविक रूप से पैदा होता है।

आज बिहार के कई हिस्सों—जैसे नालंदा, जहानाबाद, छपरा और अन्य जिलों—से लगातार अपराध की घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं में कई बार महिलाओं और बच्चों को भी निशाना बनाया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि सरकार और जनप्रतिनिधि मिलकर कठोर कदम उठाएं, ताकि अपराधियों के मन में कानून का भय पैदा हो सके।

कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए केवल प्रशासनिक कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि राजनीतिक नेतृत्व (स्पष्ट संदेश दे कि अपराध के मामले में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे तंत्र पर पड़ता है।

बिहार की राजनीति में समय-समय पर नए चेहरे सामने आते रहे हैं और मुख्यमंत्री पद को लेकर भी विभिन्न नामों की चर्चा होती रहती है। लेकिन किसी भी राज्य का नेतृत्व ऐसे व्यक्ति के हाथों में होना चाहिए, जिसके पास प्रशासनिक अनुभव, दूरदर्शिता और जनता के प्रति संवेदनशीलता हो। राज्य का नेतृत्व केवल राजनीतिक महत्वाकांक्षा से नहीं, बल्कि मजबूत निर्णय क्षमता और स्पष्ट दृष्टिकोण से चलता है।

इसके साथ ही यह भी सच है कि राजनीति में परिवारवाद को लेकर अक्सर बहस होती रही है। कई बार देखा गया है कि राजनीतिक दलों में एक ही परिवार के कई सदस्य सक्रिय राजनीति में आ जाते हैं। इससे नई और योग्य प्रतिभाओं के लिए अवसर सीमित हो जाते हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए यह जरूरी है कि राजनीति में योग्यता, ईमानदारी और जनसेवा की भावना को प्राथमिकता दी जाए।

समाज के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। जनता को भी यह समझना होगा कि वह किन लोगों को अपना प्रतिनिधि चुन रही है। यदि मतदाता जागरूक होकर ऐसे उम्मीदवारों का चयन करें जो समाज के मुद्दों पर खुलकर बोलने और काम करने की क्षमता रखते हों, तो राजनीतिक व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव संभव है।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि बिहार जैसे बड़े और महत्वपूर्ण राज्य के लिए मजबूत कानून व्यवस्था, जिम्मेदार राजनीति और जागरूक समाज तीनों का संतुलन आवश्यक है।

जब सरकार, जनप्रतिनिधि और जनता तीनों मिलकर काम करेंगे, तभी अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा और राज्य विकास की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ सकेगा।

# कूचबिहार से चुनावी शंखनाद: क्या बंगाल में बदलेगा सत्ता का समीकरण या कायम रहेगा ममता बनर्जी का दबदबा?

पटना(अपना नालंदा)। वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया का मानना है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उफान पर है। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले 5 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कूचबिहार दौरा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति की बड़ी शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। यह वह क्षण है जहां से भारतीय जनता पार्टी अपने अभियान को अधिक आक्रामक रूप देने की तैयारी में है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस दौरे से बंगाल की आगामी चुनावी दिशा के संकेत मिलने शुरू हो सकते हैं।

कूचबिहार की धरती से उठी यह राजनीतिक हुंकार केवल भीड़ जुटाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह संदेश देने की कोशिश भी है कि भाजपा इस बार बंगाल में बदलाव की अपनी मुहिम को अधूरा नहीं छोड़ना चाहती।

कूचबिहार क्यों बना रणनीति का केंद्र

राजनीति में स्थान का चयन अक्सर बेहद सोच-समझकर किया जाता है। कूचबिहार उत्तर बंगाल का एक महत्वपूर्ण सीमावर्ती जिला है और लंबे समय से भाजपा के लिए अपेक्षाकृत अनुकूल क्षेत्र माना जाता रहा है। यहां राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमावर्ती गतिविधियां और पहचान जैसे मुद्दे हमेशा से चुनावी विमर्श का हिस्सा रहे हैं।

हालांकि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यहां अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। यही कारण है कि भाजपा ने अपने चुनावी अभियान की शुरुआत इसी क्षेत्र से करने की रणनीति बनाई है। इसे खोए हुए राजनीतिक आधार को फिर से मजबूत करने की कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है।

भाजपा की रणनीति यह है कि पहले उत्तर बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत की जाए और फिर धीरे-धीरे पूरे राज्य में प्रभाव बढ़ाया जाए। कई अन्य राज्यों में भी पार्टी इसी तरह की रणनीति अपनाकर सफलता हासिल कर चुकी है।

सीधा मुकाबला: राष्ट्रवाद बनाम क्षेत्रीय अस्मिता

बंगाल की राजनीति अब लगभग दो ध्रुवों में बंटती दिखाई दे रही है। एक तरफ भाजपा है, जो राष्ट्रवाद, विकास और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रमुख मुद्दा बना रही है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी हैं, जो बंगाल की पहचान, संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव को चुनावी विमर्श का केंद्र बना रही हैं।

ममता बनर्जी लंबे समय से खुद को "बंगाल की बेटी" के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। उनके राजनीतिक संदेश का केंद्र यह रहा है कि बंगाल की पहचान और हितों की रक्षा के लिए क्षेत्रीय नेतृत्व आवश्यक है। वहीं भाजपा "डबल इंजन सरकार" की अवधारणा को सामने रखकर विकास और केंद्र-राज्य समन्वय को चुनावी मुद्दा बना रही है।

इस प्रकार यह मुकाबला केवल राजनीतिक दलों का नहीं, बल्कि विचारधाराओं और भावनात्मक मुद्दों का भी बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी की बहुस्तरीय रणनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बंगाल दौरा केवल एक जनसभा तक सीमित नहीं माना जा रहा है, बल्कि इसे एक व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा समझा जा रहा है।

पहला पहलू है नैरेटिव की लड़ाई। चुनाव केवल मतों से नहीं, बल्कि जनमानस में बने विमर्श से भी जीते जाते हैं। भाजपा "परिवर्तन" का संदेश देकर यह बताना चाहती है कि राज्य में सत्ता परिवर्तन का समय आ चुका है।

दूसरा पहलू स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से जोड़ना है। सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ, नागरिकता और सुरक्षा जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है। इससे स्थानीय समस्याएं राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बन जाती हैं।

तीसरा पहलू नेतृत्व को केंद्र में रखना है। भाजपा इस चुनाव को काफी हद तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और छवि के इर्द-गिर्द केंद्रित करना चाहती है। इससे पार्टी को एक मजबूत और भरोसेमंद नेतृत्व का लाभ मिल सकता है।

चौथा पहलू संगठनात्मक ऊर्जा का है। प्रधानमंत्री की रैलियां केवल जनता को संबोधित करने का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह और सक्रियता भी पैदा करती हैं। 5 अप्रैल की रैली से भाजपा अपने कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने की उम्मीद कर रही है।

ममता बनर्जी के सामने चुनौती

पिछले एक दशक से पश्चिम बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी का प्रभाव कायम रहा है। उन्होंने अपने नेतृत्व और राजनीतिक शैली के जरिए राज्य की सत्ता पर मजबूत पकड़ बनाई है। उनकी छवि एक जुझारू और जनसंपर्क रखने वाली नेता की रही है।

ममता सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर महिलाओं और ग्रामीण आबादी के बीच अपना आधार मजबूत किया है। इसके कारण उनका वोट बैंक काफी हद तक स्थिर माना जाता है।

हालांकि इस बार चुनावी चुनौती पहले से अधिक कठिन दिखाई दे रही है। भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में राज्य में अपना संगठन काफी मजबूत किया है और वह आक्रामक चुनावी रणनीति के साथ मैदान में उतर रही है।

ममता बनर्जी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे सत्ता विरोधी लहर को किस तरह नियंत्रित करती हैं।

मतदाता की सोच क्या कहती है

पश्चिम बंगाल का मतदाता राजनीतिक रूप से जागरूक और सक्रिय माना जाता है। यहां मतदाता अक्सर केवल भावनात्मक मुद्दों के आधार पर नहीं, बल्कि व्यावहारिक हितों को ध्यान में रखकर भी निर्णय लेता है।

आज बंगाल के मतदाताओं के सामने कई महत्वपूर्ण प्रश्न हैं। क्या राज्य में विकास की गति संतोषजनक है? क्या कानून-व्यवस्था की स्थिति मजबूत है? क्या क्षेत्रीय पहचान और सांस्कृतिक गौरव सुरक्षित हैं?

इन सवालों के जवाब ही अंततः चुनाव के परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं।

चुनावी मुद्दों की असली लड़ाई

2026 के विधानसभा चुनाव में कई मुद्दे प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ और नागरिकता का सवाल एक बड़ा राजनीतिक विषय बना हुआ है, जिसे भाजपा राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से उठाती है।

# रोटरी क्लब तथागत बिहारशरीफ की नई टीम चयनित, सदस्यों ने दी शुभकामनाएँ

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रोटरी क्लब तथागत, बिहारशरीफ में सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का चयन सर्वसम्मति से किया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया और नव-चयनित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

नई कार्यकारिणी में रोटेरियन महेश कुमार लोहानी को अध्यक्ष, रोटेरियन डॉ. नीरज कुमार को सचिव तथा पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अशोक कुमार को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित कर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन जोसेफ टिटी ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष महेश कुमार लोहानी को गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएँ दीं। वहीं पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन दीपक कुमार ने सचिव डॉ. नीरज कुमार को गुलदस्ता देकर उन्हेंनई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम के दौरान वर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन परमेश्वर महतो ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष महेशकुमार लोहानी को साफा पहनाकर सम्मानित किया। वहीं जॉइंट सेक्रेटरी रोटेरियन संजना जोसेफ ने सचिव डॉ. नीरज कुमार को साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान क्लब के सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ नई टीम का स्वागत किया।

क्लब के सदस्यों ने कहा कि रोटरी क्लब

तथागत की यह परंपरा सम्मान, सहयोग और नेतृत्व का प्रतीक है। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर नव-निर्वाचित टीम का समर्थन करने तथा सेवा और सामाजिक कार्यों को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

नव-निर्वाचित अध्यक्ष महेश कुमार लोहानी, सचिव डॉ. नीरज कुमार और कोषाध्यक्ष अशोक कुमार ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी के सहयोग से क्लब को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने और समाज सेवा के कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

# रहुई में मुखिया की गाड़ी को ट्रक से टक्कर, हत्या की साजिश का आरोप; 12 लोगों पर प्राथमिकी

रंजीत कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के रहुई प्रखंड में इमामगंज पंचायत के मुखिया पीकु उर्फ सतीश मुखिया की स्कॉर्पियो गाड़ी से हुई टक्कर का मामला अब तूल पकड़ने लगा है और यह विवाद राजनीतिक रंग लेता दिख रहा है। घटना रहुई थाना क्षेत्र के खीदर चक गांव के पास की बताई जा रही है, जहां मुखिया की गाड़ी में एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जुट गई।

मुखिया पीकु उर्फ सतीश मुखिया ने इस घटना को सामान्य सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए इसे सुनियोजित साजिश बताया है। उनका आरोप है कि उनकी हत्या की कोशिश की गई है। इस संबंध में उन्होंने एक पिता और उसके पुत्र सहित कुल 12 लोगों के खिलाफ रहुई थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

दूसरी ओर, आरोपित संजय कुमार उर्फ संतोष डॉन और उनके 70 वर्षीय पिता सुरेंद्र प्रसाद ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि यह पूरा मामला राजनीतिक द्वेष के तहत उन्हें झूठा फंसाने की साजिश है। सुरेंद्र प्रसाद ने बताया कि वह वृद्ध हैं और खेती-बाड़ी कर जीवन यापन करते हैं।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और जांच के बाद ही घटना की वास्तविकता सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।

*अपने क्षेत्र की खबर भेजने*
*ओर विज़ापन देने के लिए संपर्क करें।*

9031468165
9608311251

विज्ञापन दरें (प्रथम वर्षगांठ विशेष पैकेज)
फुल पेज विज्ञापन – ₹10,000/-
हाफ पेज विज्ञापन – ₹5,000/-
क्वार्टर पेज विज्ञापन – ₹3,000/-

संपर्क करें:
apnanalandaofficial881@gmail.com
9031468165
9608311251